[समय: ३ घंटे] **[कुल अंक:१००]**

सूचना: १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं |
२. सभी प्रश्नों के लिये समान अंक है |

१. प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरुप बताकर उसकी विशेषताओं का परिचय दीजिए | २०

अथवा

सामान्य हिंदी और साहित्यिक हिंदी की विशेषताएँ लिखिए | २०

२. पत्रकारिता की परिभाषा देते हुए खेल पत्रकारिता और बाल पत्रकारिता का सामान्य परिचय दीजिए | २०

अथवा

समाचार पत्र और फिल्म माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी का स्वरुप स्पष्ट कीजिए | २०

३. विज्ञापन का अर्थ एवं स्वरुप बताइए | २०

अथवा

अनुवाद का स्वरुप स्पष्ट करते हुए सफल अनुवादक के गुणों पर प्रकाश डालिए | २०

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

अ. आप पुना के डी.ए..व्ही. महाविद्यालय के ग्रंथपाल हैं, परिदृश्य प्रकाशन मुंबई को भेजे गए क्रयादेश के संदर्भ में अनुस्मारक का प्रारुप तयार कीजिए | १०

अथवा

मनीऑर्डर के न मिलने की शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर को पत्र लिखिए |

आ. दैनिक हिंदुस्तान के संपादक के नाम एक पत्र लिखिए, जिसमें दिल्ली में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के सुझाव दिए गए हो| १०

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए |

इंग्रजांच्या राजावातीपुर्वी भारतातील कायदा हा धर्माधिष्ठीत होता. इंग्रजांनी सतीबंदी, विधवा विवाह, संमतीवयाचा कायदा असे स्त्रीला संरक्षण देणारे काही पुरोगामी कायदे केले. पण उत्तरोत्तर त्यांचे धोरण भारताच्या अंतर्गत बाबीमध्ये ढवळाढवळ न करण्याचे बनत गेले. स्वत:चे राज्य टिकवणे हे त्यांचे धोरण होते त्यामुळे येथील जनतेत असणातोष माजेल असे बदल घडवून आणण्याचे त्यांनी टाळले. तसेच त्यांच्या राज्यकारभाराला सोयीचे असे कायदे करण्यास मागे पुढे पहिले नाही. उदा. हरयाणातील जाट समाजातील उच्च जातीमध्ये नवऱ्याच्या मृत्युनंतर जमिनीची विभागणी होऊ नये म्हणून स्त्रियांना दिराशी लग्न करावे लागे. हा रिवाज इंग्रजांनी कायद्याचे स्वरूप देऊन पक्का केला.

५. सूचना अधिकार का सामान्य परिचय देते हुए, उसकी उपयोगिता बताइए | २०

अथवा

कम्प्यूटर पर हिंदी के बढ़ते प्रसार को सोदाहरण समझाइए |

****

D8DA2605BD6BEB5F15497F6A13A0375C